कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 14 अंक : 238 कानपुर, गुरुवार 02 मार्च 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

स्मिथ, धोनी जैसे कप्तानों से बहुत कुछ सीखा: डु प्लेसिस 10

वैज्ञानिक विधि से करें तरबूज की खेती: डॉ आई एन शुक्ला

कानपुर 7 सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आई एन शुक्ला ने किसानों हेतु तरबूज उजागर कमाए अधिक लाभ नामक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तरबूज गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख कद्दू वर्गीय फसल है। डॉक्टर शुक्ला ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में 15.18 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल है। जो देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया की पोषक तत्वों की दृष्टि से 100 ग्राम पके तरबूज से 30 कैलोरी ऊर्जा,92त्न पानी, 8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 0.6 ग्राम प्रोटीन,0.2 ग्राम वसा तथा 112 मिलीग्राम पोटाश पाया जाता है। पानी की अधिक मात्रा होने से इसके सेवन से लू या गर्मी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें लाइकोपिन,सिट्रलीन,विटामिन ए एवं विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

यह शरीर में डिहाइड्रेशन को रोकता है।डॉ शुक्ला ने बताया कि इसकी बुवाई के लिए 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल रहता है। जिसे किसान भाई 20 मार्च तक वही कर सकते हैं। उन्होंने तरबूज की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि दुर्गापुरा मीठा, शुगर बेबी, दुर्गापुरा केसर और अर्कामानिक अरकाज्योति प्रमुख हैं। तरबूज का बीज 3.5 से 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई करना चाहिए। बुवाई के पूर्व बीजों को अच्छी प्रकार से शोधित कर लें। इसमें 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 60 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई यदि सही प्रबंधन कर तरबूज की खेती करते हैं तो 300 से 350 किलो कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन प्राप्त होता है। और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 7, अंक : 283 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, गुरुवार
02 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

राष्ट्रपति चुनाव के बाद विश्वास मत हासिल करेंगे नेपाली पीएम प्रचंड....11

कृषक नई कृषि तकनीकी एवं उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों का प्रयोग कर बढ़ाएं आमदनीः डॉक्टर आरके यादव

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज कृषि विभाग अयोध्या द्वारा लाए गए पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया गया।इस अवसर पर निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ आरके यादव ने अपने संबोधन में बताया कि किसान नई कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्रांति के पश्चात देश में अन्न उत्पादन 6 गुना बढ़ा है जबकि मछली उत्पादन 15 गुना, अंडा उत्पादन 50 गुना ,फल एवं सब्जियों का उत्पादन 10 गुना तक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह सब उन्नतशील तकनीकी एवं उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से संभव हुआ है। डॉ यादव ने कहा कि जहां पहले बाहर से खाद्यान्न मंगाया जाता था आज उन्नत तकनीकों एवं कृषकों के परिश्रम के फल स्वरुप खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुए हैं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 14 अंक : 238 कानपुर, गुरुवार 02 मार्च 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

स्मिथ, धोनी जैसे कप्तानों से बहुत कुछ सीखा: डु प्लेसिस 10

उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों का प्रयोग कर बढ़ाएं आमदनी: डॉ आरके

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय में आज कृषि विभाग अयोध्या द्वारा लाए गए पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया गया।इस अवसर पर निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ आरके यादव ने अपने संबोधन में बताया कि

किसान नई कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्रांति के पश्चात देश में अन्न उत्पादन 6 गुना बढ़ा है जबकि मछली उत्पादन 15 गुना, अंडा उत्पादन 50 गुना ,फल एवं सब्जियों का उत्पादन 10 गुना तक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह सब उन्नतशील तकनीकी एवं उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से संभव हुआ है। डॉ यादव ने कहा कि जहां पहले बाहर से खाद्यान्न मंगाया जाता था आज उन्नत तकनीकों एवं कृषकों के परिश्रम के फल स्वरुप खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुए हैं। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा,डॉ अनिल सिंह, डॉक्टर जितेंद्र यादव, डॉ एस एल वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

बजट में शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे... 12

अजय शंकर ने संभाला प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रवंधक... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 140
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 02 मार्च, 2023

पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में बीते दिन बुधवार को कृषि विभाग अयोध्या द्वारा लाए गए पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ. आर.के. यादव ने कहा कि किसान कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कृषि क्रांति के बाद देश में अन्न उत्पादन 6 गुना, मछली उत्पादन 15 गुना, अंडा उत्पादन 50 गुना और फल एवं सब्जियों का उत्पादन 10 गुना तक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह सब उन्नतशील तकनीकी एवं उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से संभव हुआ है। इस अवसर पर डॉ.सुभाष चंद्रा, डॉ.अनिल सिंह, डॉ. जितेंद्र यादव, डॉ. एस.एल.वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों का प्रयोग कर आय बढ़ायें किसान

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 1 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज कृषि विभाग अयोध्या द्वारा लाए गए पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया गया।इस अवसर पर निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ आरके यादव ने अपने संबोधन में बताया कि किसान नई कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्रांति के पश्चात देश में अन्न उत्पादन 6 गुना बढ़ा है जबकि मछली उत्पादन 15 गुना, अंडा उत्पादन 50 गुना ,फल एवं सब्जियों का उत्पादन 10 गुना तक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह सब उन्नतशील तकनीकी एवं उज्च गुणवत्ता युक्त बीजों के प्रयोग से संभव हुआ है। डॉ यादव ने कहा कि जहां पहले बाहर से खाद्यान्न मंगाया जाता था आज उन्नत तकनीकों एवं कृषकों के परिश्रम के फल स्वरुप खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुए हैं। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा,डॉ अनिल सिंह, डॉक्टर जितेंद्र यादव, डॉ एस एल वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

यूपी कैटट-2023 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 मार्च से 20 अप्रैल तक

(आज समाचार सेवा)

कानपुर 1 मार्च। उत्तर प्रदेश चारों कृषि विश्वविद्यालय आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ एवं बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षण सत्र 2023-24 में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन 1 मार्च 2023 से 20 अप्रैल 2023 तक भरे जा सकते है। आनलाइन प्रक्रिया, पाठ्यक्रम नाम, सीटों की संख्या, परीक्षा केंद्र, प्रवेश परीक्षा की अर्हता, परीक्षा की पद्धति, शुल्क, आरक्षण एवं अन्य वितरण वेबसाइट httpes://upcate-texam.net या www.nduat.org पर अपलोड सूचना विवरणिका में उपलब्ध है। यह जानकारी सीएसए के कुलसचिव पी.एस. प्रमाणिक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

ऑनलाइन आवेदन की समस्त जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध

अमर उजाला कानपुर 02/03/2023

20 अप्रैल तक करें यूपी कैटेट के लिए आवेदन

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) में आवेदन बुधवार से शुरू हो गए। आवेदन करने की अंतिम तारीख 20 अप्रैल है। इस सत्र में यूपी कैटेट का आयोजन आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या की ओर से किया जा रहा है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि यूपी कैटेट के जरिये सीएसए, बांदा कृषि विवि, मेरठ कृषि विवि और आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि में स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कोर्स में दाखिला मिलता है। छात्र Upcatetexam.net पर अधिक जानकारी ले सकते हैं। (संवाद)

अमर उजाला कानपुर 02/03/2023

नई तकनीकों से किसान बढ़ा सकते हैं आय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को अयोध्या के कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रशिक्षित किया गया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने बताया कि किसान नई कृषि तकनीकों को अपनाकर आय में वृद्धि कर सकते हैं। कृषि क्रांति के पश्चात देश में अन्न उत्पादन छह गुना बढ़ा है। इस मौके पर डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. जितेंद्र यादव और डॉ. एसएल वर्मा आदि मौजूद रहे। (संवाद)

वैज्ञानिक विधि से करें तरबूज की खेतीः डॉ. आई.एन. शुक्ला

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आई एन शुक्ला ने किसानों हेतु तरबूज उजागर कमाए अधिक लाभ नामक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि तरबूज गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख कद्दू वर्गीय फसल है। डॉक्टर शुक्ला ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में 15.18 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल है। जो देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया की पोषक तत्वों की दृष्टि से 100 ग्राम पके तरबूज से 30 कैलोरी ऊर्जा,92त्न पानी, 8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 0.6 ग्राम प्रोटीन,0.2 ग्राम वसा तथा 112 मिलीग्राम पोटाश पाया जाता है। पानी की अधिक मात्रा होने से इसके सेवन से लू या गर्मी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें लाइकोपिन,सिट्रलीन,विटामिन ए एवं विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर में डिहाइड्रेशन को रोकता है।डॉ शुक्ला ने बताया कि इसकी बुवाई के लिए 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल रहता है। जिसे किसान भाई 20 मार्च तक वही कर सकते हैं। उन्होंने तरबूज की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि दुर्गापुरा मीठा, शुगर बेबी, दुर्गापुरा केसर और अर्कामानिक अरकाज्योति प्रमुख हैं। तरबूज का बीज 3.5 से 4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई करना चाहिए। बुवाई के पूर्व बीजों को अच्छी प्रकार से शोधित कर लें। इसमें 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 60 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई यदि सही प्रबंधन कर तरबूज की खेती करते हैं तो 300 से 350 किलो कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन प्राप्त होता है। और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।